इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और सेंट जॉन एंबुलेंस(भारत) की

वार्षिक आम सभा के औपचारिक सत्र

में

श्री जे.पी. नड्डा

माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री,

भारत सरकार

और

अध्यक्ष, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और सेंट जॉन एंबुलेंस (भारत) का संबोधन

राष्ट्रपति भवन, ऑडिटोरियम,

नई दिल्ली: दिनांक 18.11.2014 को दोपहर 12 बजे

महामहिम राष्ट्रपति महोदय,

माननीय समस्त गवर्नर,

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष, श्री दीपेंद्र सिंह हुड्डा

सेंट जॉन एंबुलेंस की उपाध्यक्ष (भारत), डॉ(श्रीमती), कमला गिडवानी

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और सेंट जॉन एंबुलेंस (भारत) के महासचिव, डॉ एसपी अग्रवाल

अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रीसेंट सोसाइटी संघ के क्षेत्रीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख, श्री सिमॉन मिसिरी

अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस सोसाइटी के क्षेत्रीय प्रतिनिधिमंडल की प्रमुख, सुश्री मैरी वन्ट्र्ज

प्रबंध समिति तथा दोनों संगठनों की राष्ट्रीय परिषद के सदस्यगण ,

पुरस्कार विजेतागण,

विशिष्ट अतिथिगण,

देवियो और सज्जनो,

1. मुझे भारतीय इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और सेंट जॉन एंबुलेंस(भारत) की वार्षिक आम सभा में इस औपचारिक सत्र में आज आपके बीच शामिल होने पर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। सर्वप्रथम इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और सेंट जॉन एंबुलेंस की वार्षिक आम सभा के इस औपचारिक सत्र की अध्यक्षता के लिए सहमति जताने हेतु मैं महामहिम राष्ट्रपति महोदय को धन्यवाद देना चाहता हूं। हम आपकी उपस्थिति से अत्यंत गरिमामय महसूस कर रहे हैं और यह स्वस्थ-सुदृढ़ समुदायों के निर्माण में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और सेंट जॉन एसोसिएशन (भारत) द्वारा किए गए कार्यों के महत्व को उजागर करती है।

देवियो और सज्जनो,

2. मैं उन सभी शाखाओं और व्यक्तियों को बधाई देना चाहता हूँ जिन्हें आज उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए पुरस्कार दिया जा रहा है। इसी के साथ-साथ हमें उन हजारों स्वयंसेवियों को भी याद करना चाहिए जो यहां हमारे साथ मौजूद नहीं हैं, परन्तु उन्होंने अपने समुदायों तथा सामान्यत: इस सोसाइटी को अपनी नि:स्वार्थ और निरंतर सेवा प्रदान की है। ये वे स्वयंसेवी हैं जिन्होंने इंडियन रेड क्रॉस और सेंट जॉन एंबुलेंस(भारत) के नाम और इसके आदर्शों को कायम रखा है।

3. सबसे पहले, मैं इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की मुख्य उपलब्धियों, विशेष रूप से पिछली वार्षिक आम सभा के उपरांत अर्जित उपलब्धियों का संक्षिप्त में ब्यौरा देना चाहूंगा।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी पूरे देश में 700 शाखाओं के जरिए काम करती है तथा यह आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य, रक्त सेवाओं, वोकेशनल प्रशिक्षण और मातृ एवं बाल कल्याण सेवाओं जैसी विविध सेवाएं प्रदान करती है। इस वर्ष की शुरूआत में राष्ट्रीय सोसाइटी ने वर्ष 2014 से 2017 तक की अवधि के लिए अपनी कार्यनीतिगत विकास योजना को अंतिम रूप दिया। इस दस्तावेज में प्राकृतिक आपदाओं तथा सामान्य संवेदनशीलता तथा गरीबी सहित भारत में मुख्य मानवतावादी चुनौतियों पर ध्यान देने की दृष्टि से ढांचागत रूपरेखा (फ्रेमवर्क) और मुख्य प्राथमिकताएं तय की गई हैं। इंडियन रेड क्रॉस द्वारा ध्यान दिए जाने वाले मुख्य क्षेत्र निम्नलिखित होंगें:

- जीवन बचाना तथा शक्तिसम्पन्न समुदायों का निर्माण करना;
- सुरक्षित और स्वस्थ रहन-सहन को बढ़ावा देना;
- सामाजिक सन्निवेश और अहिंसा की संस्कृति को बढ़ावा देना;

इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी समुदायों तथा विशेष रूप से युवाओं को उनके द्वारा झेले जाने वाले जोखिमों का मुकाबला करने की पहल करने के लिए उन्हें सशक्त तथा समर्थ बनाकर अपने मजबूत स्वयंसेवी आधार और अपने जूनियर और यूथ विंगों पर भरोसा करती रहेगी और उनके जीवनस्तर में सुधार करती रहेगी।

4. इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के स्वास्थ्य संबंधी कार्यकलापों का ब्यौरा देते हुए मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि पूरे देश में अपने 166 रक्त बैंकों के जरिए कुल 10 प्रतिशत रक्त संग्रहण में इसका योगदान है; इसमें 90 प्रतिशत से अधिक डोनेशन स्वैच्छिक आधार पर किया जाता है। नई दिल्ली में राष्ट्रीय मुख्यालय में स्थित इसके मॉडल रक्त बैंक द्वारा ही सालाना 3000 रक्त यूनिटें संग्रहित की जाती हैं और नि:शुल्क रक्त देकर थैलासीमिया के कुल मिलाकर 900 रोगियों तथा सरकारी अस्पतालों को सेवा प्रदान की जाती है।

रक्त सेवाओं के अलावा, यह सोसाइटी स्वास्थ्य संबंधी अन्य कार्यक्रमों जैसे 5 राज्यों में क्षय रोग नियंत्रण तथा पूरे देश में अनेक स्वास्थ्य और स्वच्छता संवर्धन कार्यकलापों के जरिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रयासों में भी योगदान दे रही है।

5. इंडियन रेड क्रॉस और सेंट जॉन एंबुलेंस समुदाय आधारित प्राथमिक उपचार का अग्रणी प्रदाता भी है। इसी वर्ष बेल्जियन रेड क्रॉस के सहयोग से राष्ट्रीय सोसाइटी ने 'साक्ष्य आधारित भारतीय प्राथमिक उपचार संबंधी दिशा-निर्देश' शुरू किए, जिनका इस्तेमाल पूरे देश में प्राथमिक उपचारकों के प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल में लाए जाने वाले प्राथमिक उपचार मैनुअलों को अद्यतन बनाने में भी किया जाएगा। इन दिशा-निर्देशों से इसकी प्राथमिक उपचार संबंधी सेवाओं की गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी होगी। हमें इस सहयोग पर गर्व है जिसका आगामी वर्षों के दौरान जारी रहना निश्चित है।

6. हमारे देश और विश्व पर प्रभाव डालने वाली प्राकृतिक आपदाओं की बारंबारता और पैमाना बढ़ रहा है तथा दोनों सरकारी संस्थाओं और सिविल सोसाइटी को अपने नागरिकों तथा अपनी आर्थिक निवेशों की रक्षा के लिए अपनी तैयारियों में सुधार लाने की जरूरत है। हमारे देश ने आपदाओं का अनुमान लगाने, जिन्दगियां बचाने और हमारी अर्थव्यवस्था और अवसंरचना की रक्षा करने में अपार प्रगति दर्शायी है। इसके अतिरिक्त, इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी अपने स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित कर, अपने राहत भंडारों को बढ़ा कर और जागरूकता तथा राहत गतिविधियों को लागू कर आपदाओं से निपटने की तैयारी और उनके प्रति कार्रवाई करने की क्षमता को बढ़ा रही है।

हाल ही में जम्मू एवं कश्मीर तथा आंध्र प्रदेश में आई आपदाओं से निपटने में की गई कार्रवाई हमारी राष्ट्रीय सोसाइटी के प्रयासों के सकारात्मक परिणामों की पुष्टि करती है। इसके साथ ही आपदाग्रस्त स्थानों को खाली कराने तथा उनके समुदायों को तत्काल सहायता प्रदान करने में रेड क्रास के स्वयंसेवकों को सक्रिय रूप से प्राथमिक मेडिकल सहायता देने में प्रशिक्षित किया गया। प्राथमिक उपचार सहायता परियोजना राष्ट्रीय सोसाइटी की प्रमुख परियोजना है तथा यह अभी 14 राज्य शाखाओं में लागू की गई है। स्वयंसेवकों को प्राथमिक उपचार, खोज और बचाव, लाशों के निपटान आदि सहित कई आपदा प्रबंधन कौशलों में प्रशिक्षित किया जाता है।

रेड क्रॉस के छह क्षेत्रीय मालगोदामों में अनिवार्य राहत आपूर्तियों का भंडारण किया जाता है जिसे आपदाओं के समय भेजा जाता है। जम्मू कश्मीर में बाढ़ के समय, दिल्ली और आरकोन्नम के मालगोदामों से 5 लाख रूपये से अधिक मूल्य की राहत सामग्री भेजी गई, इसके लिए मैं आपदा प्रबंधन की प्रभावी तैयारी करने के लिए इंडियन रेड क्रॉस का धन्यवाद करता हूं।

7. आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अपनी संगठना क्षमता को मजबूत बनाने के लिए इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी कई रेड क्रॉस /रेड क्रीसेंट भागीदारों अर्थात अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसाइटी फेडरेशन, अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति,

कनाडियन रेड क्रॉस, और कई अन्यों के साथ मिलकर कार्य करती है। सोसाइटी का नेतृत्व भी व्यापक एजेंडा पर कार्य करने तथा जानकारी और अनुभवों को साझा करने के लिए राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय-दोनों तरह के मुख्य बाहरी संस्थानों के साथ मिलकर सक्रिय रूप से कार्य करता है।

8. सेंट जॉन एम्बुलेंस (इंडिया) वर्ष 1904 से ही देश में सक्रिय रहा है। यह प्रत्येक साल लगभग 6 लाख लोगों को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसका ब्रिगेड विंग हजारों स्वयंसेवकों की सहायता से एम्बुलेंस सेवाएं चलाता है और वे देशभर में कुंभ मेले, पुरी रथ यात्रा, गंगा सागर मेले और राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस तथा स्वतंत्रता दिवस जैसे सभी प्रमुख समारोहों में वहां एकत्रित होने वाले लोगों को प्राथमिक उपचार प्रदान करने में भागीदारी करते हैं।

देवियो और सज्जनो,

9. अंत में, मैं इस अवसर पर दोनों संगठनों को अपना सहयोग देने के लिए अपने महामहिम राष्ट्रपति महोदय को एक बार फिर से धन्यवाद देता हूं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर उनकी उपस्थिति तथा उनके प्रेरणादायक शब्द इस देश के लोगों को बेहतर सेवा देने के लिए अपने संगठन की क्षमता बढ़ाने और सरकार में अपनी सहयोगी भूमिका देने के लिए हमें प्रोत्साहित करेंगे। मैं

एक बार फिर से सभी शाखाओं और स्वयंसेवकों को अपने समुदायों की सेवा करने में उनकी प्रतिबद्धता और ऊर्जा के लिए उनकों बधाई तथा धन्यवाद देता हूं।

धन्यवाद और जयहिंद

बुलेटिन के बिन्दु

1. परिचय संबंधी टिप्पणियाँ
2. पुरस्कार विजेताओं को बधाई
3. इंडियन रेड क्रास सोसाइटी और इसकी उपलब्धियां
4. पिछली वार्षिक आम सभा की बैठक से अब तक इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां
5. प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण (सेंट जॉन और रेड क्रॉस)
6. आपदा और इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की तैयारी तथा बचाव क्षमता
7. इंडियन रेड क्रास सोसाइटी का, भागीदारों के साथ सहयोग
8. सेंट जॉन एम्बुलेंस (इंडिया) के बारे में
9. निष्कर्ष